सोने की कलम

आर.एन.आई. रजि. नं. 52089

Email - sonekikalam@gmail.com

प्रधान सम्पादक – चेतन गन्धे , 9893157809

www.sonekikalamnews.com

अभी अधूरा है ऑपरेशन सिंदूर ?

ऑपरेशन सिंदूर-2 शुरू किया तो...

लश्कर, जैश और पाकिस्तान में खलबली

कौन बनेगा निशाना

◆ सोने की कलम।

नई दिल्ली। पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में भारतीय सशस्त्र सेना का ऑपरेशन सिंदूर अभी अधूरा है! क्योंकि, जबतक आतंकियों के सारे ठिकानें ध्वस्त नहीं हो जाते, तबतक भारत शांत बैठने वाला नहीं है।

भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में ऐसे कम से कम 21 स्थानों की पहचान कर रखी है, जहां दहशतगर्दों को तैयार किया जाता है और फिर पाकिस्तानी फौज की मदद से उन्हें भारत में आतंकवाद को अंजाम देने के लिए भेजा जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी के बाद जिस तरह के संकेत दिए हैं, उससे जाहिर है कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। ऐसे में अभी तो सिर्फ 9 ठिकानों पर लगभग 70 आतंकी कैंपों को ही नेस्तनाबूद किया गया है, बाकी 12 स्थानों पर भी कहर बरपाना बाकी है, जिसमें अनेकों टेरर कैंप शामिल हैं।

अभी तो सिर्फ 9 ठिकानों पर लगभग 70 आतंकी कैंपों को ही नेस्तनाबूद किया गया है, बाकी 12 स्थानों पर भी कहर बरपाना बाकी

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी, कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने 9 आतंकी ठिकानों की तबाही के बारे में जानकारी दी, जिनमें से 4 पाकिस्तान में और 5 पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में हैं। ऑपरेशन सिंदूर में इन्हें ही तबाह किया गया है। लेकिन,जानकारी के मुताबिक ऑपरेशन सिंदूर के बाद अपनी कैबिनेट की पहली बैठक में पीएम मोदी ने कामयाब ऑपरेशन के लिए सुरक्षा बलों की सराहना करते हुए इसे सिर्फ शुरुआत बताया, वह बहुत बड़ा संकेत है कि अभी मिशन पूर्ण रूप से खत्म नहीं हुआ है। यही नहीं, सूत्रों का यहां तक कहना है कि उन्होंने अपने कैबिनेट सहयोगियों से इस मुद्दे पर बेवजह की राजनीतिक टिप्पणी करने से भी परहेज करने को कहा है।

भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में अभी भी कम से कम 12 स्थानों पर अनेकों आतंकवादी कैंप सक्रिय हैं, जहां दहशतगर्दों को तैयार किया जाता है, उनकी ट्रेनिंग होती है और उन कैंपों का आतंकी लॉन्च पैड के रूप में इस्तेमाल होता है। इन ठिकानों में 5 पाकिस्तान में और 7 पाकिस्तानी कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में हैं। ऐसे में अगर भारत ने ऑपरेशन सिंदूर-2 शुरू किया तो जो 12 आतंकी ठिकाने भारतीय मिसाइलों और आत्मघाती ड्रोन बमों का निशाना बन सकते हैं,

भारत की तैयारी पुख्ता है। एक तरफ गृहमंत्री अमित शाह सभी सीमावर्ती राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राजनीतिक नेतृत्व को हालात से रूबरू करवाने में जुटे हुए हैं तो दूसरी तरफ विदेश मंत्री एस जयशंकर और एनएसए अजीत डोभाल कूटनीतिक स्तर पर मोर्चा संभाले हुए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हेलीकॉप्टर दुर्घटना में तीर्थ यात्रियों की मृत्यु पर शोक जताया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उत्तराखंड के उत्तरकाशी में हुई हेलीकॉप्टर दुर्घटना में तीर्थ यात्रियों की असामयिक मृत्यु पर गहन शोक व्यक्त किया है। जानकारी के मुताबिक यह हेलीकॉप्टर गंगोत्री धाम जा रहा था, जो गंगनानी के पास अचानक हादसे का शिकार हो गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि राज्य सरकार इस मुश्किल वक्त में शोकाकुल परिजन के साथ है। उन्होंने ईश्वर से इस गहन दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने विश्व रेडक्रॉस दिवस पर मानवता के सेवकों को किया नमन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को विश्व रेडक्रॉस दिवस 2025 के अवसर पर किसी भी संकट की घड़ी में मानवता की सेवा में तत्पर स्वयंसेवकों को सादर नमन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि विश्व बंधुत्व और मानव कल्याण की भावना से कार्य करने वाले ये स्वयंसेवक समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस के स्वयंसेवक विपरीत परिस्थितियों में भी मानव जीवन की रक्षा और सहायता के लिए प्रतिबद्ध रहते हैं। संकट में फंसे नागरिकों को राहत पहुंचाना , जीवन रक्षक सहायता देना और सामाजिक समरसता बनाए रखना इनका परम कर्तव्य है।

प्रदेश में सफलतापूर्वक हुआ मॉक ड्रिल और ब्लैक आउट का पूर्वाभ्यास - मुख्यमंत्री डॉ.यादव

◆ सोने की कलम।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की राजधानी भोपाल सहित जबलपुर, इंदौर, ग्वालियर और कटनी में केंद्र सरकार के निर्देशों के पालन में निर्धारित समय पर किए गए ब्लैक आउट और मॉक ड्रिल गतिविधियों की जानकारी संबंधित जिलों के कलेक्टर्स से प्राप्त की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिलों के कलेक्टर्स के नेतृत्व में किए गए कार्य की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में आवश्यक प्रबंधन की तैयारी के लिए यह मॉक ड्रिल की गई। नागरिक सुरक्षा की प्राथमिकता और संकटकालीन परिस्थिति की चुनौती को देखते हुए इस तरह की मॉक ड्रिल के माध्यम से न सिर्फ आपदा प्रबंधन के अमले बल्कि नागरिकों को भी सजग और सतर्क करने के प्रयास आवश्यक हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार शाम पुलिस मुख्यालय पहुंच कर सिविल डिफेंस कंट्रोल रूम से प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर आपातकालीन स्थिति के लिए की गई मॉक ड्रिल की विस्तार से जानकारी प्राप्त की। जानकारी दी गई कि सभी जिलों में निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार कार्यवाही संपन्न हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा आज संपन्न मॉक ड्रिल और उसकी पूर्व की तैयारियों का विस्तृत विवरण दिया गया।

पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव गृह श्री जे एन कंसोटिया, एडीजीपी श्री ए. साई मनोहर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पुलिस मुख्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिलेवार जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर्स ने बताया कि नागरिकों को आपातकालीन परिस्थितियों में जरूरी उपाय अपनाने के लिए जिलों के शिक्षित और सजग किया गया है। कलेक्टर भोपाल ने बताया कि निर्धारित समय पर समूचे शहर में प्रकाश व्यवस्था बंद करने की कार्रवाई की गई। ड्रोन द्वारा शूटिंग भी करवाई गई है। कलेक्टर जबलपुर ने बताया कि एक पुरानी बिल्डिंग से लोगों को बचाने की रेस्क्यू की कार्रवाई की गई। ब्लैक आउट की कार्यवाही भी सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इंदौर कलेक्टर ने जानकारी दी कि मेडिकल कॉलेज के नजदीक एक भवन में अग्निकांड से बचाव की मॉकड्रिल की गई। आकस्मिक चिकित्सा केंद्र भी बनाया गया। ब्लैक आउट की कार्रवाई भी की गई। ग्वालियर कलेक्टर ने भी ब्लैक आउट और अन्य बचाव गतिविधियों के अभ्यास की जानकारी दी। कटनी कलेक्टर ने बताया कि निर्धारित 12 मिनट अवधि के लिए ब्लैक आउट किया गया।

प्रदेश के सभी शहरों में कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल उपलब्ध कराएं - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

◆ सोने की कलम।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कामकाजी महिलाओं की सुविधा के लिए प्रदेश के सभी शहरों में हॉस्टल सुविधा उपलब्ध कराई जाए। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन शक्ति के अंतर्गत संचालित सखी-निवास सुविधा का विस्तार उन औद्योगिक क्षेत्रों में भी किया जाए, जहां महिला कर्मचारी अधिक संख्या में हैं। बालिकाओं और महिलाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने तथा उनके कौशल उन्नयन के लिए विभागीय समन्वय से गतिविधियां संचालित की जाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य, शारीरिक विकास और पोषण की उचित उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य और आयुष विभाग निश्चित कार्य योजना बनाकर उसका क्रियान्वयन करें। आंगनवाड़ी भवनों की उपलब्धता और रख रखाव के लिए नगरीय निकायों और पंचायतराज संस्थाओं से भी आवश्यक समन्वय सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को महिला एवं बाल विकास विभाग की गतिविधियों की मंत्रालय में समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। बैठक में कुपोषण मुक्त झाबुआ के लिए चलाए गए मोटी आई अभियान पर लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। नवाचार को अनुकरणीय बताया गया। समीक्षा में महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, विभागीय प्रमुख सचिव श्रीमती रश्मि अरूण शमी, आयुक्त महिला बाल विकास श्रीमती सूफिया फारूखी बली सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

यातायात सुधार की दिशा में कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर बड़ी कार्यवाही

यातायात अवरुद्ध करने वाली सड़कों पर बेतरतीब खड़ी 30 बसे जप्त

◆इंदौर, सोने की कलम।

इंदौर में कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में यातायात सुधार के लिये मुहिम लगातार जारी है। इस मुहिम के तहत आज बड़ी कार्रवाई करते हुए सड़को पर बेतरतीब खड़ी 30 बसे जप्त की गई। ज्ञात रहे है कि कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कल कलेक्टर कार्यालय में सम्पन्न बैठक में बस संचालकों को हिदायत दी थी कि वे सड़कों पर अव्यवस्थित रूप से बसें खड़ी कर यातायात अवरूद्ध नहीं करें, बसों को अधिकृत स्थानों पर खड़ा किया जाये।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा ने बताया कि आज जिला प्रशासन,क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय एवं यातायात पुलिस द्वारा संयुक्त कार्रवाई की गई। सड़को पर अतिक्रमण कर यातायात बाधित करने वाली बसों को जप्त किया गया। मधुमिलन चौराहा, झाबुआ टॉवर, पिपलिहाना, रिंग रोड , तीन इमली चौराहा एवं गंगवाल बस स्टैण्ड पर बसों की सघन चेकिंग की गई। कार्यवाही में वाहनो के फ़िटनेस, परमिट, बीमा, पीयूसी, कर प्रमाण पत्र भी चेक किये गए । बसों में ओवरलोडिंग, अधिक किराया की भी जांच की गई। दस्तावेज नहीं होने, क्षमता से अधिक सवारी पाए जाने, परमिट शर्तों का उल्लंघन करने वाली बसों ,बेतरतीब खड़ी रहने वाली बसो पर कार्यवाही करते हुए 30 बसों को जप्त कर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर में रखा गया है । साथ ही ट्रेवल्स/बस संचालकों से अपील की गई है कि वे अपनी बसों को निर्धारित स्थान से ही चलाए अन्यथा बसें जब्त की जाएगी। बेतरतीब , निर्धारित स्थानों से भिन्न स्थानों से संचालित बसो की जप्ती की यह कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की अंतिम वरिष्ठता सूची जारी

इन्दौर। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग इन्दौर द्वारा विभागीय चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की अनंतिम वरिष्ठता सूची प्रकाशित की गई है। जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि उक्त सूची कलेक्टर कार्यालय के जनजातीय कार्य तथा अनुसूचित जाति विकास कार्यालय में देखी जा सकती है। अनुरोध किया गया है कि इस सूची का अवलोकन कर लिया जाये, उक्त सूची में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की जानकारी यदि त्रुटिपूर्ण है तो वे कर्मचारी अपने दावे-आपत्ति प्रमाण सहित 10 दिवस में कार्यालय में प्रस्तुत करें। अवधि के पश्चात दावे-आपत्ति अप्राप्त होने की दशा में सूची को सही मानकर अंतिम सूची जारी की जायेगी।

खुद को एक सोने के सिक्के जैसा बनाइये,
जो कि अगर नाली में भी
गिर जाए तो भी
उसकी क़ीमत कम नहीं
होती है..!!

संपादकीय

करारा जवाब

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाकिस्तान में आतंकवाद को करारा जवाब दिया है। भारतीय सेना ने आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। भारत ने स्पष्ट किया कि वह युद्ध नहीं चाहता, पर जवाब देने को तैयार है। सेना ने पाक अधिकृत कश्मीर और पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकाने तबाह किए।

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिये पाकिस्तान में फल-फूल रहे आतंकवाद को सधा और करारा जवाब दिया है। भारतीय कार्रवाई सटीक, संतुलित और गैर-उकसावे वाली थी। इसमें भारतीय फौज ने सिर्फ आतंकी ठिकानों को टारगेट किया। इस ऑपरेशन के जरिये भारत ने फिर यह संदेश दिया है कि वह युद्ध नहीं चाहता, लेकिन अगर कोई उसकी तरफ आंख उठाकर देखेगा तो उसे जवाब देने से भी नहीं हिचकेगा।

चेतन गन्धे
9893157809
सम्पादक

भारतीय सेना ने पाक अधिकृत कश्मीर और पाकिस्तान में कुल नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। इन जगहों का इस्तेमाल लश्कर-ए-तैयबा और दूसरे आतंकी संगठन कर रहे थे। यहीं पर आतंकवादियों को ट्रेनिंग दी गई, जिन्होंने भारत में कई कायराना वारदातों को अंजाम दिया। पाकिस्तान को बार-बार इनके बारे में जानकारी दी गई, लेकिन कोई कदम उठाने के बजाय वह इनकी मौजूदगी को ही नकारता रहा। उसने अंतरराष्ट्रीय समुदाय की अपीलों पर भी ध्यान नहीं दिया बल्कि अब तो यह भी साफ है कि भारत पर और हमले करने की साजिश रची जा रही थी।

2016 और 2019 में भी भारतीय फौज ने आतंकवादी हमलों के जवाब में क्रमश: सर्जिकल स्ट्राइक और टेरर लॉन्च पैड को निशाना बनाया था। ऑपरेशन सिंदूर 2019 की कार्रवाई से कहीं बड़ी है। इसमें बड़े इलाके में फैले आतंकी इन्फ्रा को टारगेट किया गया, जो अंतरराष्ट्रीय सीमा से करीब 100 किलोमीटर अंदर थे।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर पूरा देश गुस्से में था। उनका मकसद भारत में सांप्रदायिक तनाव फैलाना था। इसे लेकर कश्मीर सहित देश भर में आक्रोश था और भारत की तरफ से जवाब भी लाजिमी था। दरअसल, पड़ोसी देश की दिलचस्पी इन आतंकवादियों को सजा दिलाने में भारत की मदद करने की नहीं थी। सचाई तो यही है कि बरसों से वह आतंक को प्रश्रय देता आया है और उसकी खुफिया एजेंसी ड्डस्ड्ड की शह पर भारत में कई आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दिया गया।

ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय सेना ने हर लक्ष्य का चयन विश्वसनीय इंटेलिजेंस सूचनाओं के आधार पर किया। पहलगाम के 15 दिनों बाद जवाब दिया गया यानी पाकिस्तान को अपनी गलती सुधारने और अपनी जमीन पर पल रहे आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई का पूरा मौका दिया गया।

पाकिस्तान ने भारतीय कार्रवाई को एक्ट ऑफ वॉर बताया है और कहा है कि उसे जवाब देने का अधिकार है। उसकी तरफ से झूठे प्रचार का युद्ध शुरू हो चुका है। उसकी मंशा संघर्ष बढ़ाने वाली लगती है। लेकिन पाकिस्तान का हित इसी में है कि वह भारत के साथ लड़ाई न बढ़ाए। आखिर, भारत ने भी यही संकेत दिया है कि वह इसे हवा नहीं देना चाहता।

प्रभावी रूप से सफलतापूर्वक संपन्न हुई सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल

पूरे इंदौर में एक साथ 12 मिनट का हुआ ब्लैक आउट

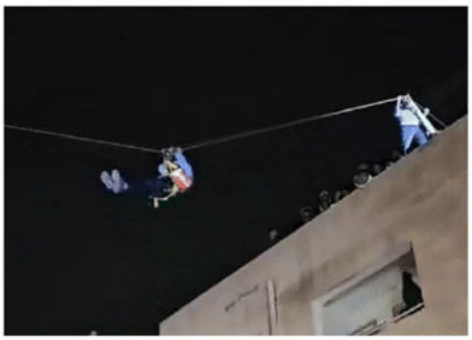

◆इंदौर, सोने की कलम।

इंदौर में एक व्यापक, प्रभावी सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों का आकलन करना था। यह मॉक ड्रिल तीन चरणों में की गयी। मॉक ड्रिल के दौरान पूरे 12 मिनट का ब्लैक आऊट भी पूरे इंदौर में सफलतापूर्वक रहा।

मॉक ड्रिल के दौरान संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर श्री आशीष सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर श्री अमित सिंह और श्री मनोज श्रीवास्तव, डीसीपी श्री अभिनव विश्वकर्मा,एडीएम श्री रोशन राय सहित अग्निशमन, स्वास्थ्य, नगर निगम, आपदा प्रबंधन एवं अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इंदौर में मॉक ड्रिल तीन चरणों में किया गया।

मॉक ड्रिल का पहला चरण शासकीय डेंटल कॉलेज से प्रारंभ हुआ। ठीक 4 बजे कंट्रोल रूम के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि शासकीय डेंटल कॉलेज में हमला हुआ है और वहां आग लग गई है। बड़ी संख्या में लोग यहां फंसे हुए हैं। सूचना मिलते ही फायर बिग्रेड, जिला प्रशासन, पुलिस और नगर निगम का अमला तुरंत मौके पर पहुंचा। यहां तुरंत राहत और बचाव के कार्य प्रारंभ किये गये। विभिन्न उपकरणों और साधनों के माध्यम से हताहत लोगों को बचाया गया, उन्हें सुरक्षित रूप से निकाला गया। दुर्घटना में घायल लोगों को एंबुलेंस के माध्यम से तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। अग्निशमन वाहनों ने पानी के माध्यम से आग बुझाई।

मॉक ड्रिल का दूसरा चरण रेसीडेंसी में संपन्न हुआ। यहां सूचना प्राप्त हुई थी कि हमला हो सकता है, लोग यहां बड़ी संख्या में फंसे हुए हैं। इन लोगों को पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन तथा सिविल डिफेंस के दल ने सुरक्षित रूप से रेसीडेंसी में ही बनाए गए बंकर में बसों के माध्यम से पहुंचाया।

मॉक ड्रिल का तीसरा चरण मेडिकल कॉलेज के बॉयज हॉस्टल में प्रभावी रूप से किया गया। यहां हमले में भवन क्षतिग्रस्त होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही संबंधित विभागों का दल तुरंत पहुंचा। उन्होंने राहत एवं बचाव के कार्य प्रारंभ किये। भवन में फंसे लोगों को सुरक्षित निकाला गया। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

उपचार व्यवस्था का भी हुआ अभ्यास

स्वास्थ्य विभाग के अमले ने मॉक ड्रिल के लिए अस्थाई अस्पताल बनाए थे। साथ ही अनेक घायलों को एमवाय अस्पताल में भी पहुंचा कर उनका इलाज प्रारंभ किया। इसके माध्यम से आपदा के हताहत लोगों के उपचार का भी अभ्यास किया गया।

ब्लैक आउट भी हुआ सफलतापूर्वक

इंदौर में शाम 7.30 बजे ब्लैक आउट प्रारंभ हुआ। सायरन बजते ही सभी लाइट बंद हो गई। शहर में चलने वाले वाहन भी जहां थे , वहां लाइट बंद कर साइड में खड़े हो गए। पूरे शहर में 12 मिनट तक पूरी तरह ब्लैक आउट रहा। नागरिकों ने भी अपने घरों, प्रतिष्ठानों आदि की लाईट स्वैच्छा से बंद कर दी और दिए गए दिशा - निर्देशानुसार सभी खिड़की-दरवाजे बंद कर लाइट को बाहर नहीं आने दिया। चहुंओर अंधेरा ही अंधेरा दिखाई दिया।

इस मॉक ड्रिल में जिला प्रशासन, पुलिस, अग्निशमन विभाग, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षण संस्थान,अन्य महत्वपूर्ण विभागों की सहभागिता रही। इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य विभिन्न आपात स्थितियों जैसे हवाई हमले, अग्निकांड, विस्फोट या अन्य संकट की स्थिति में तत्काल और समन्वित कार्यवाही की प्रणाली को परखना था। साथ ही इसके माध्यम से नागरिकों में सुरक्षा संबंधी जागरूकता बढ़ाई गई और उन्हें संकट के समय क्या करना है, कैसे प्रतिक्रिया देना है इसका व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

मॉक ड्रिल के दौरान हवाई हमले की चेतावनी प्रणालियों की प्रभावशीलता का परीक्षण, भारतीय वायु सेना के साथ संचार व्यवस्था की जांच, नियंत्रण कक्षों एवं छाया नियंत्रण कक्षों की कार्यप्रणाली का मूल्यांकन, नागरिकों, छात्रों एवं स्वयंसेवकों को नागरिक सुरक्षा उपायों का व्यावहारिक प्रशिक्षण, आपात स्थिति में ब्लैक आउट और निकासी योजनाओं के क्रियान्वयन का आकलन, महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा हेतु शीघ्र छिपाने की व्यवस्था का परीक्षण, नागरिक सुरक्षा सेवाओं, वार्डनों, अग्निशमन एवं बचाव दल की तत्परता की समीक्षा के साथ ही डिपो प्रबंधन, आपूर्ति व्यवस्था तथा राहत संचालन की प्रणाली का परीक्षण किया गया।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने बताया कि मॉक ड्रिल का सफलतापूर्वक प्रभावी संचालन किया गया । मॉक ड्रिल में जिले के सभी हितधारकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की गई, ताकि किसी भी आपदा की स्थिति में जन-धन की हानि को न्यूनतम किया जा सके। मॉक ड्रिल में आपदा प्रबंधन की वास्तविक समय में परख की गई। उन्होंने मॉक ड्रिल के सफलतापूर्वक संचालन के लिये सभी संबंधितों की सराहना करते हुये आभार व्यक्त किया।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल की हाई एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल की द्वितीय परीक्षा

मण्डल ने जारी किये दिशा-निर्देश

◆इंदौर, सोने की कलम।

सत्र 2024-25 की हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी द्वितीय परीक्षा के लिये एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से 7 मई से फार्म भरे जाना शुरू हो गये है। फार्म 21 मई 2025 तक रात्रि 12 बजे तक भरे जा सकेंगे। हाई स्कूल द्वितीय परीक्षा 17 जून से 26 जून 2025 तक और हाई सेकेण्डरी द्वितीय परीक्षा 17 जून से 5 जुलाई 2025 तक प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होगी। विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम मण्डल की वेब साइट www.mpbse.nic.in पर देखी जा सकती है।

बिजली कार्मिकों के भविष्य निधि खाते की शेष राशि पर ब्याज दर तय

◆इंदौर, सोने की कलम।

मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा कार्मिकों के भविष्य निधि खाते की शेष राशि पर वार्षिक ब्याज दर तय कर दी गयी हैं। मध्यप्रदेश विद्युत मंडल कर्मचारी भविष्य निधि न्यास की 91वीं बैठक में लिए गए निर्णय के बाद जारी आदेश के अनुसार मध्यप्रदेश विद्युत मंडल कर्मचारी भविष्य निधि न्यास के वित्तीय वर्ष 2024-25 में सेवारत/दिवंगत अथवा सेवानिवृत होने वाले कार्मिकों के भविष्य निधि खाते की शेष राशि पर 9.50 प्रतिशत (साढ़े नौ प्रतिशत) वार्षिक दर से ब्याज का भुगतान किया जाएगा। इसी तरह से वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रावधिक रूप से 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर से भुगतान किया जाएगा।

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में लिटिगेशन कॉर्डिनेशन की बैठक सम्पन्न

◆इंदौर, सोने की कलम।

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में आज संभागायुक्त कार्यालय में इंदौर संभाग के सभी जिलों की लिटिगेशन कॉर्डिनेशन की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संयुक्त कलेक्टर सुश्री शैली कनास, उपायुक्त राजस्व सुश्री सपना लौवंशी, डिप्टी कलेक्टर श्री विनोद राठौर, सुश्री पूर्वा मण्डलोई, डिप्टी कलेक्टर सुश्री सलोनी अग्रवाल,श्री सुदीप मीणा आईडीए, झाबुआ डिप्टी कलेक्टर श्री हर्षवर्धन विश्वकर्मा, बुरहानपुर डिप्टी कलेक्टर श्री राजेश पाटीदार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने विभिन्न विभागों के जिला न्यायालय एवं उच्च न्यायालय में विचाराधीन विभिन्न प्रकरणों की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। अवमानना संबंधित सभी प्रकरणों को देखा और अपील दाखिल करने के निर्देश दिये। शासन हित में जिला और उच्च न्यायालय में अपना पक्ष रखने के निर्देश दिये। अवमानना संबंधित सभी प्रकरणों के विस्तृत समीक्षा करने के निर्देश दिये। बैठक में अधिकारियों ने भी अपने विचार और सुझाव रखे।

प्रकरण श्रम न्यायालय को सौंपने के आदेश

इन्दौर। श्रम विभाग के अपर आयुक्त ने सेवानियुक्त श्री बालमुकुन्द यादव पिता जगन्नाथ यादव एवं सेवानियोजक प्रबंधक/संचालक सालासर आटोहॉस प्रोबाईकिंग प्रायवेट लिमिटेड इंदौर के मध्य उत्पन्न विवाद को औद्योगिक विवाद माना है। उन्होंने यह प्रकरण अधिनिर्णय के लिये श्रम न्यायालय इंदौर को सौंपने के आदेश जारी किये है।

इंदौर नगर निगम का पोर्टल एक अप्रैल से है बंद,

टैक्स जमा करने वाले परेशान

◆इंदौर, सोने की कलम।

नगर निगम का पोर्टल एक अप्रैल से बंद है। इस कारण जोनल कार्यालयों और निगम मुख्यालय पर कर जमा करने पहुंचने वाले लोग परेशान हो रहे हैं। उन्हें बगैर कर जमा कराए ही लौटना पड़ रहा है। पोर्टल बंद होने से नगर निगम को एक अप्रैल से अब तक करीब 25 करोड़ रुपये का फटका लग चुका है।

निगम पोर्टल को नए वित्तीय वर्ष में डेटा अपडेट और अपलोड करने के उद्देश्य से बंद किया गया था। दावा था कि एक सप्ताह के भीतर इसे फिर चालू कर दिया जाएगा, लेकिन मई का पहला सप्ताह बीत चुका है। पोर्टल अब भी चालू नहीं हुआ।

रसीद मिल रही है और न रिकॉर्ड अपडेट

पोर्टल बंद होने से निगम की ऑनलाइन वसूली पूरी तरह से बंद है। नागरिकों से कहा जा रहा है कि वे जोनल कार्यालय और मुख्यालय जाकर कर जमा कर सकते हैं। जब नागरिक जोनल कार्यालय और मुख्यालय कर जमा करने पहुंच रहे हैं, तो उन्हें यह कहकर लौटाया जा रहा है कि हमारे पास अभी रसीद कट्टे उपलब्ध नहीं हैं। इस वजह से संपत्ति कर, जल कर, किराया इत्यादि जमा नहीं हो पा रहे हैं। लोगों को न रसीद मिल रही है और न रिकॉर्ड अपडेट हो पा रहा है।

नए खाते खुलवाने के लिए चक्कर लगा रहे लोग

पोर्टल बंद होने का सीधा असर नए खातों पर भी पड़ रहा है। जोनल कार्यालयों और मुख्यालय पर संपत्ति कर, जल कर के नए खाते खुलवाने वाले चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन पोर्टल बंद होने से नए खाते ही नहीं खोले जा रहे।

निगम अधिकारी पोर्टल को लेकर भोपाल तक गुहार लगा चुके हैं, लेकिन कुछ नहीं हो रहा। अधिकारी यह बताने की स्थिति में भी नहीं हैं कि पोर्टल कब तक चालू होगा। एक तरफ निगम आर्थिक संकट से जूझ रहा है दूसरी तरफ कर जमा करने के लिए पहुंचने वाले कर चुकाए बगैर लौट रहे हैं।

10 मई को है राष्ट्रीय लोक अदालत, कैसे जमा होगा कर

वर्ष 2025 की दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत 10 मई को आयोजित होना है। हर बार नगर निगम को लोक अदालत में 50 करोड़ रुपये से ज्यादा का राजस्व प्राप्त होता है। नागरिकों को कर भुगतान के लिए प्रोत्साहित करने के लिए नगर निगम सरचार्ज पर छूट भी देता है, लेकिन इस बार नगर निगम का पोर्टल बंद होने से अधिकारियों की चिंता बढ़ गई है। पोर्टल चालू नहीं होने से आमजन के पास बकाया टैक्स की जानकारी नहीं होगी। इस कारण वे कर जमा करने भी नहीं पहुंचेंगे।

दशहरा मैदान पर रोजगार मेला 11 को

इन्दौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार जिले के कुशल, अकुशल, शिक्षित एवं बेरोजगार युवाओं को रोजगार का अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रोजगार मेले का आयोजन 11 मई रविवार को प्रात: 10 बजे से दशहरा मैदान पर किया जायेगा। मेले में 10 हजार से अधिक युवाओं के सम्मिलित होने तथा रोजगार देने हेतु 100 से अधिक कम्पनियों के शामिल होना संभावित हैं। मेले में आई.टी., रिटेल, ई-कामर्स, बी.पी.ओ. कंसलटेन्सी, फार्मा, फिनटेक, सेल्स, मार्केटिंग, अकाउंटिंग, रियल स्टेट, फायनेन्स आदि कम्पनियां रहेगी। रोजगार मेले में पंजीयन हेतु युवाओं को गुगल फार्म या क्यूआर कोर्ड से पंजीयन कराना होगा जो नि:शुल्क रहेगा। युवाओं को अपने साथ अपने साथ बायोडाटा, फोटो, पहचान पत्र, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण-पत्र साथ में लाना अनिवार्य है।रोजगार आयुक्त, नगर पालिक निगम, इन्दौर के निर्देशन में उक्त मेला स्थल पर की जाने वाली व्यवस्था के लिए अधिकारियों को दायित्व सौंपे गये हैं। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने विभिन्न व्यवस्थाओं के लिये नोडल अधिकारी नियुक्त किये है। जारी आदेशानुसार एमपीआईडीसी के कार्यकारी निदेशक श्री हिमांशु प्रजापति को नोडल अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है। रोजगार व स्वरोजगार देने हेतु कम्पनियों से समन्वय एवं पंजीयन कंपनियों पर बुलवाना तथा स्टॉल आवंटन का दायित्व उप संचालक जिला उद्योग श्री पी.एस. मण्डलोईको सौंपा गया है। जिला क्षेत्रों में ग्राम पंचायत रोजगार सहायकों के माध्यम से आकांक्षी युवाओं से संपर्क कर पंजीयन तथा कार्यक्रम से संबंधित जानकारी देना व शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में पेम्पलेट छपाने का दायित्व जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन को सौंपा गया है।

इंदौर में ब्लैक आउट

बरात में डांस और लाइट हुई बंद, घोड़ा भी सड़क किनारे

◆इंदौर, सोने की कलम।

बुधवार को ब्लैक आउट के अभ्यास के दौरान नागरिकों की सहभागिता से अनोखा दृश्य इंदौर में साकार हुआ। ब्लैक आउट का पालन करने के दौरान ब्याह करने के लिए तोरण मारने जा रहे दूल्हे की घोड़ी सड़क किनारे खड़ी कर दी गई। नाचते हुए बाराती भी थम गए और बैंड से लेकर बरात को रोशन कर रही बत्तियां भी बुझा दीं।

ब्लैक आउट के पालन का अनोखा नजारा कनाड़िया क्षेत्र में आलोक नगर रोड पर दिखा। विद्या पैलेस निवासी नामेश सोलंकी का विवाह नेहा गोयल से हुआ। बरात का समय और ब्लैक आउट का समय समान था। बराती एडवोकेट नमन द्विवेदी ने बताया कि पहले तय हुआ था कि बरात ब्लैक आउट होने से पहले विवाह स्थल शगुन पैलेस पहुंच जाएगी।

दूसरा सायरन बजने के बाद बराती आगे बढ़े

हालांकि मैरिज गार्डन से 200 मीटर पहले ही ब्लैक आउट का समय हो गया। आसपास की सभी बत्तियां बुझ

रही थीं, यह देख बरातियों को भी ध्यान आया कि ब्लैक आउट होना है। इसके बाद बरात ने भी ब्लैक आउट का पालन किया। 12 मिनट तक बत्तियां और संगीत बंद कर दिया। दूल्हा और बराती सड़क पर खड़े रहे। दूसरा सायरन बजने और ब्लैक आउट खत्म होने के बाद बरात आगे बढ़ी।

बाजार में दुकानें बंद

इंदौर के बाजारों में ब्लैक आउट का पूर्णतया पालन किया गया। दरअसल बाजारों में दोपहर से ही ग्राहकी सुस्त हो गई। सियागंज जैसे बड़े थोक बाजार में ज्यादातर दुकानें शाम साढ़े छह बजे ही बंद कर दी गईं। दूसरी ओर एमटी क्लाथ मार्केट में दुकानें तो खुली रहीं, लेकिन व्यापारियों ने निर्देशों का पालन करते हुए बत्तियां बुझा दीं।

पुलिस ने इंटरनेट मीडिया के लिए चेतावनी जारी की है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून) अमितसिंह ने कहा कि वॉट्सएप, इंस्टाग्राम या फेसबुक पर अनर्गल टिप्पणी और भ्रामक संदेश प्रसारित करने वालों पर पुलिस की नजर है। संवेदनशील मुद्दों पर भी भ्रामकता परोसने वालों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई करेगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक चेतन गन्धे के लिए चेतन ग्राफिक्स, 135, नगर निगम मार्केट, सुभाष मार्ग, वीआईपी स्टेशनरी के सामने, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 109, बाणगंगा मेनरोड़, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक: चेतन गन्धे, मो. : 9893157809 Email : sonekikalam@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा।)